भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

अमर उजाला

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 18.01.2019

काशी Live
amarujala.com
अमर उजाला वाराणसी शुक्रवार, 18 जनवरी 2019 6

'काशीयात्रा' में फैशन की इंजीनियरिंग

20 तक आईआईटी बीएचयू में चलने वाले सांस्कृतिक उत्सव का शुभारंभ

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव काशीयात्रा में प्रतिभाग करने दिल्ली, लखनऊ, प्रयागराज आदि जगहों से आईआईटीयंस गुरुवार को कैंपस पहुंचे। तीन दिवसीय समारोह के मुख्य कार्यक्रम शुक्रवार से शुरू होंगे लेकिन इसके पहले गुरुवार को दिन में फैशन शो मेराज के पहले राउंड में रंग बिरंगे परिधानों से सजे प्रतिभागियों ने मंच पर धमाल मचाया। शाम को औपचारिक उद्घाटन के बाद काव्य मंजरी में जाने माने शायर राहत इंदौरी, रुपेश सक्सेना, गौरी मिश्रा ने अपनी शायरी से गुदगुदाया।

स्वतंत्रता भवन में गुरुवार के कार्यक्रम की शुरुआत फैशन शो मेराज के तहत मिस और मिस्टर काशीयात्रा में आईआईटी बीएचयू, एमिटी लखनऊ, सनबीम कॉलेज, बीएचयू, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, लखनऊ विश्वविद्यालय सहित अन्य संस्थानों के 275 प्रतिभागियों ने रैंप पर कैटवाक किया। इसमें पारंपरिक परिधानों से लेकर आधुनिक परिधानों के साथ प्रतिभागी उतरे। बॉलीवुड गीतों के बीच कैटवॉक और अपनी कला के प्रदर्शन से सबका ध्यान भी अपनी ओर खींचा। हर एक प्रस्तुति पर दर्शक ताली बजाकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते रहे। फैशन डिजाइनर माधुरी मिश्रा और हैदराबाद की यशस्वी आनंद ने निर्णायक की भूमिका निभाने के साथ ही प्रतिभागियों को फैशन डिजाइन से जुड़ी बारीकियां भी बताईं।

मिस और मिस्टर काशीयात्रा में रंग-बिरंगे परिधानों में उतरे प्रतिभागी

आईआईटी बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित काशीयात्रा में कैटवाक करते छात्र-छात्राएं।

'जो ये दीवार का सुराख है साजिश का हिस्सा है'

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में राहत इंदौरी को सुनने उमड़े छात्र

अमर उजाला ब्यूरो

राहत इंदौरी

काव्य मंजरी में नामचीन शायर राहत इंदौरी, रुपेश सक्सेना, गौरी मिश्रा, दमदार बनारसी ने गुदगुदाया

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में सांस्कृतिक उत्सव काशीयात्रा के पहले दिन काव्यमंजरी में जाने माने शायर राहत इंदौरी सहित कई नामचीन शायरों ने आईआईटीयंस पर अमिट छाप छोड़ी। अपनी शायरी से जहां सबको गुदगुदाया वहीं समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने के लिए युवाओं से आगे आने का आह्वान किया।

शाम को आयोजित काव्यमंजरी में युवाओं का उत्साह देखने लायक था। स्वतंत्रता भवन का पूरा सभागार खचाखच भरा था। हालत यह रही कि नीचे और बालकनी की सभी सीट भरने के बाद जिसको जहां जगह मिली, वहीं खड़े होकर राहत इंदौरी और अन्य शायरों को सुनता रहा। राहत इंदौरी ने 'हम अपनी जान के दुश्मन को अपनी जान कहते हैं, मोहब्बत की इसी मिट्टी को हिंदुस्तान कहते हैं। जो ये दीवार का सुराख है, साजिश का हिस्सा है। मगर हम इसको अपने घर का रोशनदान कहते हैं। फिर उसके बाद चाहे ये जुबां कट रही है कट जाए, हमें जो कुछ भी कहना है अलल-एलान कहते हैं'। अगली कड़ी में राहत इंदौरी ने 'राज जो कुछ हो इशारों में बता भी देना, हाथ जबसे मिलाना तो दबा भी देना'।

इसके माध्यम से युवाओं के चंचल मन को गुदगुदाया। रुपेश सक्सेना ने अपनी शायरी 'वजन ज्यादा है ताकत का उठाकर ही रहेंगे हम, जो वादा कर दिया तुमसे निभाकर ही रहेंगे हम। हमें तुमसे मोहब्बत है, तुम्हें हमसे मोहब्बत है। मोहब्बत किसे कहते हैं बताकर रहेंगे'। जैसे ही सुनाई पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। गौरी मिश्रा ने 'बीमारी इश्क में दिल की दवा के साथ आयी हूं मोहब्बत की अनोखी सी अदा के साथ आयी हूं। महकने लग गई बनारस की हर गली, क्योंकि मैं नैनीताल की ताजी हवा के साथ आयी हूं'। शायरी के माध्यम से वाहवाही लूटी। युवा कवि दमदार बनारसी ने 'उसे पाने की ख्वाहिश जिहादियों की तरह, खूबसूरत है मेरी मुकाम आयतों की तरह। है मेरी जान तो कश्मीर की काली जैसी, उसके भाई है सब अलगाववादियों की तरह।'

पद्मभूषण छन्नू लाल मिश्र ने किया उद्घाटन

आईआईटी में 20 जनवरी तक चलने वाले काशीयात्रा का उद्घाटन पद्मभूषण छन्नू लाल मिश्र ने किया। काशीयात्रा के बारे में कहा कि काशीयात्रा का मतलब यही है कि काशी का यह प्रोग्राम हमेशा चलते रहें। दुनिया भर में काशी ही एक ऐसा शहर है जो हमेशा चलता रहता है। कार्यक्रम में

पद्मभूषण छन्नू लाल मिश्र

छन्नूलाल मिश्र ने करे रंग महिया के घर को सबके बेड़ा पार, मुक्ति के यही द्वार है के माध्यम से मां गंगा का गुणगान किया। उन्होंने युवाओं को इस तरह के आयोजन में बढ़चढ़कर भागीदारी करते रहने का आह्वान किया। निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने प्रतिभागियों को सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी। अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्र अधिष्ठाता प्रो. बीएन राय ने बताया कि काशीयात्रा के माध्यम से केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों को संस्कार और संस्कृति को जानने-समझने का मौका मिलता है। काशीयात्रा के चेयरमैन प्रो. केके सिंह ने 1981 से चल रहे काशीयात्रा के इतिहास के बारे में बताया। इस दौरान संयोजक मंजीत नयन, साई पवन आदि मौजूद रहे।

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित 'काशीयात्रा' कार्यक्रम में मौजूद लोग। अमर उजाला